मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान, दरभंगा

स्नातकोत्तर संस्कृत अध्ययन एवं उच्चस्तरीय
अनुसंधान हेतु प्रख्यात

पुस्तक-सुची

प्रधान सम्पादक
डॉ० देवनारायण यादव
निदेशक

उच्च शिक्षा विभाग, बिहार सरकार

परिचय

प्राच्य विद्या एवं संस्कृत की विभिन्न शाखाओं में उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान को दृष्टिपथ में रखते हुए प्राचीन मनीषियों के गम्भीर शास्त्रीय ज्ञान तथा अर्वाचीन शोधप्रज्ञों की नवनवोन्मेषशालिनी प्रतिभा के संगम-स्थल के रूप में मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान, दरभंगा की स्थापना बिहार सरकार द्वारा सन् 1951 ई० में की गई। उच्चस्तरीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के शोध के साथ-साथ महत्त्वपूर्ण पुस्तकों के प्रकाशन का कार्य भी इस शोध संस्थान का एक प्रमुख उद्देश्य रहा है। पारम्परिक ज्ञान-वैभव के लिए विशेष रूप से प्रख्यात बिहार में इस प्रकार की अन्य पाँच और संस्थाएँ हैं जो अपने-अपने क्षेत्र में संबद्ध विषयों पर उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान कार्य में संलग्न हैं। मिथिला शोध संस्थान, दरभंगा के अतिरिक्त काशी प्रसाद जायसवाल शोध संस्थान, पटना इतिहास के क्षेत्र में, प्राकृत, जैनोलॉजी एवं अहिंसा शोध संस्थान, वैशाली, जैनशास्त्र के क्षेत्र में, नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा बौद्ध दर्शन के क्षेत्र में बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, हिन्दी के क्षेत्र में तथा अरबी एवं फारसी शोध संस्थान, पटना अरबी-फारसी के क्षेत्र में उच्चस्तरीय अनुसंधान एवं प्रकाशन कार्य में संलग्न हैं। इन सभी शोध संस्थानों द्वारा अपने-अपने कार्यक्षेत्र में नित नूतन सम्भावनाओं को तलाशते हुए सम्बद्ध विषयों की गरिमा को उत्तरोत्तर ऊँचाइयों पर ले जाने के भगीरथ प्रयास किये जा रहे हैं।

इस शोध संस्थान की स्थापना के लिए दरभंगा के तत्कालीन महाराजाधिराज डॉ. सर कामेश्वर सिंह जी ने दानस्वरूप पर्याप्त राशि तथा भवन-निर्माण के निमित्त भू-खण्ड बिहार सरकार को उपलब्ध कराया था।

प्राचीन विद्या एवं वैदुष्य को पुनर्जीवित करने की दिशा में किये जाने वाले प्रयास के क्रम में पुस्तकों का सम्पादन एवं प्रकाशन बिहार एवं बिहार से बाहर के विद्वानों के सहयोग से किया जा रहा है। बिहार सरकार भविष्य में भी ऐसी परियोजनाओं को संपोषित करते रहने की आशा करती है तथा उसे विश्वास है कि समन्य की परिपूर्णता के साथ बिहार की बौद्धिक सम्पदा से विश्व सुपरिचित हो जाएगा।

दो शब्द

मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान, दरभंगा ने अपने स्थापना काल १९५१ ई॰ से प्राच्य विद्या के प्रचार-प्रसार हेतु उच्च स्तरीय अनुसन्धान युक्त महत्वपूर्ण उपयोगी कई पुस्तकों का प्रकाशन किया है। इन पुस्तकों का उपयोग उच्च स्तरीय अध्ययन-अध्यापन एवं अनुसंधान कार्यों में व्यापक रूप से हुआ है, और हो रहा है।

अब तक संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की सूची प्रकाशित की जा रही है, जिससे छात्र, अभिभावक, प्राध्यापक एवं जिज्ञासुओं को वांछित पुस्तकें मिल सके।

इन पुस्तकों में अंकित मूल्य पुस्तक-सूची प्रकाशित होने तक वास्तविक है। समय-समय पर राज्य सरकार एवं विभाग द्वारा प्राप्त निर्देशों के आलोक में हो सकता है कि इनके मूल्यों में बृद्धि हो।

आशा है, पाठकों को अपनी मनपसन्द पुस्तकों को प्राप्त करने में सुविधा होगी।

डॉ. देवनारायण यादव
निदेशक
मो॰ :- 08409333750

मिथिला संस्कृत शोध संस्थान

दरभंगा के प्रमुख प्रकाशन

बौद्धग्रन्थावली सिरीज

क्र.	पुस्तक का नाम	सम्पाक/लेखक	मूल्य
1.	गुह्यसमाजतन्त्र	डा॰ एस॰ बागची	51.00
2.	सुवर्णप्रभासूत्र	डा॰ एस॰ बागची	120.00
3.	दशभूमिकासूत्र	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य एवं डा॰ एस॰ बागची	185.00
4.	सद्धर्म लंकावतारसूत्र	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य एवं डा॰ एस॰ बागची	185.00
5.	अवदानकल्पलता (क्षेमेन्द्र) भाग-1	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	65.00
6.	अवदानकल्पलता (क्षेमेन्द्र) भाग-2	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	65.00
7.	अवदानशतक	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	150.00
8.	समाधिराजसूत्र	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	280.00
9.	शिक्षासमुच्चय (शान्तिदेव)	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	112.00
10.	गण्डव्यूहसूत्र	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	240.00
11.	जातकमाला (आर्यसूर)	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	150.00
12.	दिव्यावदान	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	220.00

13.	मध्यमकशास्त्र (नागार्जुन) प्रसन्नपादटीका	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	49.00
14.	अष्टसहस्रिका (प्रज्ञापरमिता)	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य एवं डा॰ एस॰ बागची	400.00
15.	महायानसूत्रालंकार (असंग)	डा॰ एस॰ बागची	160.00
16.	मूलसर्वास्तिवाद भाग-1	डा॰ एस॰ बागची	220.00
17.	मूलसर्वास्तिवाद भाग-2	डा॰ एस॰ बागची	175.00
18.	महावस्तुअवदान भाग-1	डा॰ एस॰ बागची	275.00
19.	महावस्तुअवदान भाग-2	डा॰ एस॰ बागची	265.00
20.	महावस्तुअवदान भाग-3	डा॰ एस॰ बागची	305.00
21.	ललितविस्तर	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	53.00
22.	बोधिचर्यावतार (शान्तिदेव)	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	52.00
23.	महायानसूत्रसंग्रह भाग-1	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	295.00
24.	महायानसूत्रसंग्रह भाग-2	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	415.00
25.	सद्धर्भ पुण्डरीकसूत्र	डा॰ पी॰ एल॰ वैद्य	205.00

विविध

1.	पाउअकोश (पहाड़ा)	डा॰ एम॰ एल॰ गोस्वामी	4.00
2.	तत्त्व चिन्तामणि	गंगेश उपाध्याय	52.50
3.	काव्य परीक्षा (श्रीवत्स)	प्रो॰ अनन्तलाल ठाकुर	88.00
4.	पारिजातहरण (कर्णपूर)	प्रो॰ अनन्तलाल ठाकुर	180.00

5.	काव्य लक्षण	दण्डिन्	205.00
6.	वैशेषिक दर्शन (कणाद)	प्रो॰ अनन्तलाल ठाकुर	37.50
7.	अभिज्ञान शाकुन्तलम् (कालिदास)	डा॰ रमानाथ झा	320.00
8.	आगमडम्बर शंकर एवं नरहरि टीका (जयन्त भट्ट)	डा॰ रमानाथ झा	7.00
9.	लीलावती (भास्कराचार्य)	पं॰ दयानाथ झा	290/- 14.00
10.	अलंकार मंजरी दामोदर मि॰ टीका (वेणीदत्त)	कविशेखर बदरीनाथ झा	2.00
11.	पदार्थीयदिव्यचक्षु (उमापति उपाध्याय)	कविशेखर बदरीनाथ झा	2.50
12.	रसतरंगिणी (रमानन्द ठाकुर)	कविशेखर बदरीनाथ झा	2.25
13.	मन्त्र कौमुदी (देवनाथ ठक्कुर)	डा॰ रमानाथ झा	6.00
14.	शब्दरत्नाकर (वाणभट्ट)	श्री बी॰ आर॰ शर्मा	27.00
15.	सौगतसूत्रव्याख्यानकारिका (कुमारिल स्वामिपाद)	डा॰ अनन्तलाल ठाकुर	2.00
16.	लक्षणमाला (उदयनाचार्य)	श्री शशिनाथ झा	3.00
17.	लक्षणवली (उदयनाचर्य)	श्री शशिनाथ झा	2.75
18.	कीरदूतम् (रामगोपाल कवि)	प्रो॰ अनन्तलाल ठाकुर	1.75
19.	रत्नकोषमतवादार्थ (हरिहर)	श्री एस॰ जे॰ झा	2.25
20.	न्याय दर्शन (गौतम)	प्रो॰ अनन्तलाल ठाकुर	25.00

21.	Histrory of Mithila	Dr. Upendra Thakur	120.00
22.	Nescience In Indian Philosphy	Dr. C.N. Mishra	19.00
23.	An Exposition of the Chitramimansa	Dr. Mangal Pati Jha	32.00
24.	An Exposition of Vyakti Vivek	Dr. Triloknath Jha	60.00
25.	The Geographical Information in Skandpurana	Dr. U.K. Jha	29.50
26.	History of Navya Nyaya in Mithila	Prof. Dinesh Chandra Bhattacharya	54.50
27.	वाचस्पति मिश्र ऑन अद्वैतवेदान्त	डा॰ एस॰ एस॰ हसुरकर	140.00
28.	लिगंवचनविचार (महावैयाकरण दीनबन्धु झा)	डा॰ श्रीधर त्रिपाठी	45.00
29.	गीतपीतवसनम् (श्याम रामकवि)	प्रो॰ बाबू मिश्र	3.00
30.	तन्त्र कौमुदी (देवनाथ ठाकुर)	डा॰ रमानाथ झा	8.00
31.	विमण्डलवक्रविचार (पं॰ दयानाथ झा)	म॰ म॰ डा॰ उमेश मिश्र	155.00
32.	प्रकीर्णप्रबन्ध	पं॰ रामावतार शर्मा	232.00
33.	त्रितलावच्छेदकतावाद	डा॰ शशिनाथ झा	4.50

34.	न्यायभाष्यवार्तिकविवरणपंजिका (अनिरूद्धाचार्य)	प्रो॰ अनन्तलाल ठाकुर	5.00
35.	न्याय निबन्धावली	पं॰ रूपनाथ झा	8.00
36.	सामान्य निरुक्ति (गंगेश उपाध्याय)	पं॰ रूपनाथ झा	20.00
37.	सुलोचनामाधवचम्पू (म॰ म॰ पं॰ बच्चालाल)	प्रो॰ बाबू मिश्र	28.00
38.	न्याय कुसुमांजलि (उदयनाचार्य) आमोद, विवेक, बोधिनी एवं परिमल	महाप्रभुलाल गोस्वामी	25.00
39.	तर्कप्रदीप	पं॰ महेश झा	6.50
40.	काव्य कल्लोलिनी	कविशेखर बदरीनाथ झा	11.25
41.	बाणभट्ट निबन्धावली	बाणभट्ट	20.00
42.	मुदित मदालसा नाटक (म॰ म॰ गोकुलनाथ उपाध्याय)	डा॰ त्रिलोक नाथ झा	13.25
43.	व्युत्पत्तिवादगूढ़ार्थतत्त्वा लोकार्थदीपिका (गदाधर भट्टाचार्य)	प्रो॰ बाबू मिश्र	25.00
44.	धर्मशास्त्रीयनिबन्धावली (म॰ म॰ महेश ठाकुर)	डा॰ एस॰ भट्टाचार्य	19.00
45.	कृत्यसागर (म॰ म॰ रत्नपाणि झा)	डा॰ एम॰ एल॰ गोस्वामी	28.00
46.	सिद्धान्तसेतु	पं॰ मुरलीधर ठक्कुर	114.00
47.	आर्याद्विशती (दुर्वासा)	पं॰ रामचन्द्र मिश्र	2.50
48.	Mahakavi Kalidas and Bhavabhuti	Dr. Deokant Jha	22.00

49.	रस प्रस्थान एवं ध्वनि प्रस्थान	डा॰ ललितेश्वर झा	32.00
50.	लोचन विमर्श	डा॰ वैद्यनाथ झा	23.00
51.	पूजा प्रदीप (गोविन्द ठाकुर)	डा॰ श्रीधर त्रिपाठी	85.50
52.	कविराजभानुदत्त ग्रन्थावली	डा॰ त्रिलोकनाथ झा	76.00
53.	उपमाविवेक	डा॰ काशीनाथ मिश्र	84.00
54.	कवीन्द्र गंगानन्द ग्रन्थावली	डा॰ त्रिलोकनाथ झा	49.00
55.	अधिकरण कौमुदी (देवनाथ ठक्कुर)	डा॰ जयमन्त मिश्र	75.00
56.	धर्मशास्त्रीय विषयों का परिशीलन	डा॰ श्रीधर त्रिपाठी	300.00
57.	भाषावृत्तिपंजिका	डा॰ शशिनाथ झा	155.00
58.	वैयाकरणभूषणसार (दीपिकाटीका)	डा॰ शशिनाथ झा (पं॰ दीनबन्धु झा)	250.00
59.	Political Thinkers In Mithila	Dr. Sureshewar Jha	225.00
60.	रत्न कलाप (विष्णुदेव)	डा॰ आमोद झा एवं डा॰ शशिनाथ झा	180.00
61.	विवरण का समीक्षात्मक अध्ययन	डा॰ महाप्रभुलाल गोस्वामी	45.00
62.	कृत्य महार्णव (म॰ म॰ वाचस्पति मिश्र)	प्रो॰ ए॰ डी॰ शर्मा एवं डा॰ कमलेश झा	305.00
63.	पुरुष परीक्षा : विद्यापति	डा॰ शशिनाथ झा	580.00

64.	कामेश्वर प्रतापोदयम्	पं० जीवनाथ झा, एवं सं० पं० डा० शशिनाथ झा	155.00
65.	मिथिला में नव्य न्याय का इतिहास	डा० सुरेश्वर झा	275.00
66.	रसिकजीवनम् : गदाधर भट्ट	डा० त्रिलोकनाथ झा	300.00
67.	अमरकोष (म० म० मुकुन्द झा बख्सी) अमर विवृत्ति सहित मैथिली टीका	डा० गोविन्द झा	590.00
68.	मैथिली प्रथम पुस्तक		40.00
69.	History and order in Mithila	Dr. Shrutidhari Singh	250.00
70.	हरिहरसुभाषितम्	स० डा० शशिनाथ झा	215.00
71.	Gems of Mithila	Dr. Sureshwar Jha	450.00
72.	कविरहस्य	म०म०डॉ० सर गंगा नाथ झा	200.00
73.	Mithila and Magadha (700 AD - 1100 AD)	Lakshman Jha	360.00
74.	मिथिला तीर्थ प्रकाश	श्री कृष्णठक्कुर	185.00
75.	महावाक्य रत्नावली	सं. पंडित डॉ. शशिनाथ झा	262.00

शोध पत्रिकायें

1.	VOL-I PART-I	RS- 5=00
2.	VOL-I PART-II	RS- 5=00
3.	VOL-II PART-I	RS- 5=00
4.	VOL-II PART-II	RS- 5=00
5.	VOL-III PART-I	RS- 5=00
6.	VOL-III PART-II	RS- 5=00
7.	VOL-IV PART-I	RS- 10=00
8.	VOL-IV PART-II & VOL-VI PART- I&II	RS- 20=00
9.	VOL-VII PART-I	RS- 5=00
10.	मिथिला की लोकसंस्कृति पत्रिका भाग-1	RS- 125=00
11.	मिथिला की लोकसंस्कृति पत्रिका भाग-2	RS- 125=00
12.	शोध तकनीक विशेषांक पत्रिका	RS- 205=00
13.	शास्त्रार्थ : शिक्षा विशेषांक भाग-1	RS- 180=00
14.	शास्त्रार्थ : शिक्षा विशेषांक भाग-2	RS- 225=00
15.	शास्त्रार्थ : कर्मकाण्ड विशेषांक भाग-1	RS- 250=00
16.	शास्त्रार्थ : कर्मकाण्ड विशेषांक भाग-2	RS- 250=00
17.	शास्त्रार्थ : मिथिला गौरव विशेषांक	RS- 250=00
18.	शास्त्रार्थ : प्राच्य विद्या वैभव	RS- 225=00
19.	शास्त्रार्थ : महारानी अधिरानी राजलक्ष्मी जी सारस्वत व्यक्तित्व	RS- 150=00
20.	शास्त्रार्थ : ANCIENT WISDOM	RS- 250=00

21.	शास्त्रार्थ : बिहार शताब्दी विशेषांक भाग-1	RS- 250=00
22.	शास्त्रार्थ : बिहार शताब्दी विशेषांक भाग-2	RS- 250=00
23.	शास्त्रार्थ : बिहार शताब्दी विशेषांक भाग-3	RS- 250=00
24.	शास्त्रार्थ : बिहार शताब्दी विशेषांक भाग-4	RS- 250=00
25.	शास्त्रार्थ : बिहार विरासत विशेषांक प्रथम खण्ड	RS- 250=00
26.	उदयनाचार्य : बिहार विरासत विशेषांक	RS- 250=00
27.	शास्त्रार्थ : बिहार गौरव विशेषांक भाग-5	RS- 360=00
28.	शास्त्रार्थ : बिहार गौरव विशेषांक भाग-6	RS- 360=00
29.	शास्त्रार्थ : बिहार गौरव विशेषांक भाग-7	RS- 300=00
30.	शास्त्रार्थ : बिहार गौरव विशेषांक भाग-8	RS- 300=00
31.	शास्त्रार्थ : शोध पत्रिका भाग-9	RS- 500=00
32.	शास्त्रार्थ : शोध पत्रिका भाग-10	RS- 500=00
33.	शास्त्रार्थ : मिथिला शिल्प कला विशेषांक भाग-11	RS- 500=00
34.	शास्त्रार्थ : संदर्भित शोध पत्रिका भाग-12	RS- 500=00
35.	शास्त्रार्थ : संदर्भित शोध पत्रिका भाग-13	RS- 500=00

छूट की दरे

1.	सामान्य	:	15 % प्रतिशत
2.	पुस्तकालय/संस्था	:	20 % प्रतिशत
3.	पुस्तक विक्रेत	:	25 % प्रतिशत

4. पत्रिका/बुलेटिन पर कोई छूट नहीं ।

शर्ते :

1. संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तकें क्रय करने पर पैंकिग चार्ज अलग से देय होगा।
2. पुस्तक ट्रान्सपोर्ट, रेलवे या डाक द्वारा वी॰ पी॰ पी॰ से मंगवाने पर सभी खर्च पुस्तक क्रेता को करना होगा।
3. पुस्तक ट्रान्सपोर्ट/रेलवे स्टेशन ले जाने में स्थानीय ठेला/रिक्शा भाड़ा का व्यय पुस्तक क्रेता को ही करना होगा।
4. पुस्तक क्रय का मूल्य बैंक ड्राफ्ट या नकद चालान में अंकित क्रय भुगतान राशि ही स्वीकार किये जायेंगे कम नहीं । चेक द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं।
5. ड्राफ्ट का निर्माण-**निदेशक, मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान, दरभंगा या निदेशक, मिथिला संस्कृत शोध संस्थान, दरभंगा** के पदनाम से ही स्वीकार कियें जायेगें।

उपर्युक्त सभी शर्ते राज्य सरकार मानव संसाधन विकास (उच्च शिक्षा) विभाग, बिहार, पटना के आदेशानुसार तथा छुट इत्यादि में पुन: राज्य सरकार का आदेश होगा वह सभी पुस्तक क्रेता को सुविधा दी जायेगी।

नव्य-नया, धर्मशास्त्र, बौद्ध अध्ययन एवं तन्त्रशास्त्र सहित कई अन्य संस्थानों के ९ वीं सदी से १८ वीं सदी तक के विद्वानों के लगभग १२ हजार हस्तलेख उपलब्ध।

समस्त चिन्तकों, शोधविदों एवं जिज्ञासु का शोध संस्थान मे स्वागत है ।

संस्थान में एम. ए. (संस्कृत) अध्ययनरत छात्रों को ५०० रु. प्रतिमाह तथा पी. एच. डी./डी. लिट. गवेंषकों को २००० रु. प्रतिमाह का प्रावधान ।

विशेषं जानकारी हेतु सम्पर्क करें

1. प्रधान सचिव, मानव संसाधन विका विभाग, बिहार -0612-2224616
2. निदेशक, उच्च शिक्षा, मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार-0612-2224792
3. निदेशक, मिथिला संस्कृत शोध संस्थान, दरभंगा मो॰ : 8986379070, मो॰ - 08409333750